Vishal.
H.S.J. College.
Rajnagar.

← नील बेसिन का भौगोलिक विवरण →

(A) Location and extent (स्थिति एवं विस्तार) → विश्व की सबसे लम्बी नील नदी विक्टोरिया झील के द० से भूमध्यसागर तक 5793 km लम्बी है। यह 4°S से 32°N अक्षांश तथा 30°E से 35°E देशांतर के बीच द० से उ० बहती है। बेसिन का क्षेत्रफल 32 लाख Km^2 है।

(B) Structure and relief (संरचना एवं उच्चावच) → विषुवत पठार से भूमध्यसागर तक विभिन्न ढाल के 3 क्षेत्र हैं :-

(i) प्रथम भाग बोर से खारतूम के उ० तक 900 mile लम्बा है। ढाल 3cm/km है। अतः झरने नहीं हैं।

(ii) दूसरा भाग खारतूम और से प्रथम कैटेरेक्ट (द० आस्वान) तक 1120 km लम्बा है। रवेदार चट्टानों और बालुकापत्थर पर कैटेरेक्ट है।

(iii) तीसरा भाग आस्वान से उ० में है। ढाल अति न्यून है।

वादीहाल्फा से कुछ ऊपर में नील मिस्र में प्रवेश करती है। यह 400 km तक संकीर्ण घाटी में बालुकापत्थर पर बहती है। ~~फिर उ० में 800 km~~ आस्वान के निकट आग्नेय पत्थर तथा परिवर्तित चट्टानों पर बहती है। फिर उ० में 800 km तक यह चूनापत्थर पठार से गुजरती है। घाटी के दोनों पठारी किनारे उ० की ओर नीचे होकर काहिरा के उ० में लुप्त हो जाती है। पोर्ट सईद - सिकन्दरिया के बीच 240 km और उ०-द० लम्बाई 160 km है। डेल्टा पर नदी के प० शाखा को रोसेटा तथा पू० शाखा को डामिएटा कहते हैं। तट पर दलदल लैगून है।

(C) Drainage (जलप्रवाह) → नील का उद्गम दो शाखाओं के रूप में होता है। प० शाखा रुवाण्डा, किवू, एडवर्ड झील होते हुए अलबर्ट झील में गिरती है। पू० शाखा विक्टोरिया नील के रूप में क्योगा झील में और वहाँ से अलबर्ट झील में गिरती है। वहाँ से नुबा तक अलबर्ट नील और इससे उ० में बहर-अल-जबल कहलाती है। द० सूडान में बहर-अल-गजल सहायकों के साथ मिलती है। यहीं पर पू० में अबिसीनिया पठार से सोबात नदी मिलती है। दोनों नदियों के संगम के द० में दलदली As-sudd क्षेत्र में reeds और papyrus पौधे उग जाते हैं जो जल प्रवाह में बाधक होते हैं। sudd का विस्तार नुबा से मलाकल तक है।

मलाकल से यह उ० श्वेत नील के रूप में यह भूमध्यसागर में गिरती है। इसमें पूर्व से ब्लू नील और अटबारा मिलती हैं। श्वेत - ब्लू नील के बीच अल-गजिरा दोआब है।

Scanned with CamScanner

वर्षा बहुत कि विषुवतीय क्षेत्र से गुजरने तथा मिट्टी से प्राप्त जल के कारण शुष्क क्षेत्र में भी नील सदावाहिनी है।

(D) climate (जलवायु) →

उच्च प्रदेश भू-मध्यसागरीय जलवायु
CS शीतकालीन वर्षा
ग्रीष्म शुष्क

30°N

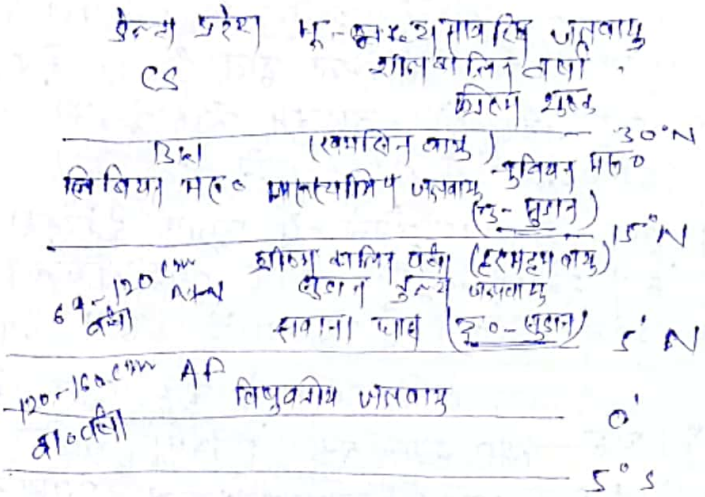

BW (व्यापारिक वायु)
लिबिया मरु० मरुस्थलीय जलवायु, नुबियन मरु०
(उ- सूडान)

15°N

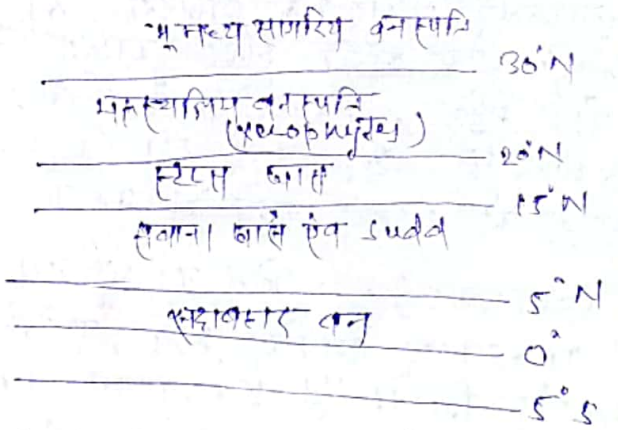

69-120 cm वर्षा
AW
ग्रीष्म कालिन वर्षा (हरमट्टन वायु)
सूडान तुल्य जलवायु
सवाना घास (द० - सूडान)

5°N

120-160 cm AF
वा० वर्षा
विषुवतीय जलवायु

0°

5°S

(E) Natural vegetation (प्रा० वनस्पति) →

भू-मध्य सागरीय वनस्पति

30°N

मरुस्थलीय वनस्पति
(xerophytes)

20°N

स्टेप घास

15°N

सवाना घासें एवं sudd

5°N

सदाबहार वन

0°

5°S

(F) Irrigation (सिंचाई) → अल्प वर्षा के कारण सिंचाई आवश्यक है। निम्नलिखित विधियों से सिंचाई होती है। उच्च बैराज, असयुत बाँध, युसुफ नहर, एसना बाँध, नागहमादी बाँध से सिंचाई होती है। आस्वान बाँध सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण में सहायक है।
उक्त साधनों से मिस्र का 95%, कृषि भूमि में सिंचाई होती है। अलबर्ट, साना झीलों पर जलसंग्रह की योजना है।

(G) Agriculture (कृषि) → 80%, आबादी कृषि में है। छोटे-छोटे खेतों में सघन कृषि है। यहाँ के फैलाहिन (किसान) चतुर है। "मिस्र नील नदी की देन है।" हेरोडोटस
आस्वान और गजिरा दोआब प्रमुख कृषि क्षेत्र है

मिस्र के 6.5% पर ही कृषि है। यह विश्व का 2% कपास उत्पादक है।

नील बेसिन में गेहूँ, चावल, गन्ना, आलू, मक्का, मटर, प्याज, दाल, और तथा शुष्क भागों में ज्वार-बाजरा, खजूर, मूंगफली होती है। भूमध्यसागरीय तट पर फलों की खेती होती है।

(H) Pastoral activities (पशुपालन) → गाय, बैल, भैंस, ऊँट, भेड़ अधिक है। मुस्लिम क्षेत्र होने से सुअर कम है।

(I) Minerals and Power (खनिज और शक्ति) → खनिजों की कमी है। उच्च जाति में कुछ धात्विक खनिज ताँबा, जस्ता, टिन, कोबाल्ट, यूरेनियम, द० सुडान में कुछ सोना, मैग्नेसाइट, क्रोमाइट, अभ्रक, कोयला, मैंगनीज, जिप्सम और भारी मात्रा में एस्बेस्टस पाया जाता है। मिस्र में कुछ लौह अयस्क, फास्फेट, खनिज तेल, जिप्सम, शिशा, जस्ता, सोना और चूनापत्थर मिलते हैं।

(J) Industries (उद्योग) → उद्योग अविकसित हैं। लौह इस्पात, ऊनी वस्त्र, सूती वस्त्र, सीमेन्ट, रसायन, अल्युमिनियम, साबुन, दवा, सोडा, चमड़ा, सिगरेट, आदि के कारखाने हैं।

(K) Communication (यातायात) →

(i) जलमार्ग → नील मिस्र में नाव चलती है। आस्वान कपास Locks से गुजरना पड़ता है। sudd एवं कैटरैक्ट क्षेत्रों में नावें नहीं चलती।

(ii) रेल मार्ग → घाटी के समानान्तर 50-80 फैला है। यहाँ केप-काहिरा Trans continental Rly के दो खंड हैं- (a) काहिरा आस्वान रेल मार्ग (b) वादी हाल्फा।

(iii) वायु मार्ग → काहिरा, सिकंदरिया, पोर्ट सईद आस्वान मिस्र में, व खारतूम, एतबारा सुडान के वायु अड्डे हैं।

(L) Population (जनसंख्या) → नील बेसिन की कुल आबादी लगभग 9 करोड़ है। मिस्र, सुडान की आबादी का 85-90% नील बेसिन में है। वार्षिक वृद्धि 2.5% है।

नील बेसिन की 50% आबादी अरबी और निग्रो मुस्लिम है।

ग्रामीण आबादी अधिक है। कृषि और पशुचारण पेशा है।

मिस्र के काहिरा, सिकन्दरिया, पोर्ट सईद, अस्वान, गिजा, स्वेज, इस्माइलिया, लक्सर, एलबारा, फुआदिया में जनसंख्या मुख्य नगर हैं।

(M) व्यापार → कपास, चावल, मूँगफली, प्याज, फास्फेट, गोंद, चमड़ा, पशु आदि का निर्यात और मशीन और मोटर-गाड़ी, धातु और पेट्रोलियम, खाद्य, लौह। चीनी, चाय आदि का आयात है।

Scanned with CamScanner

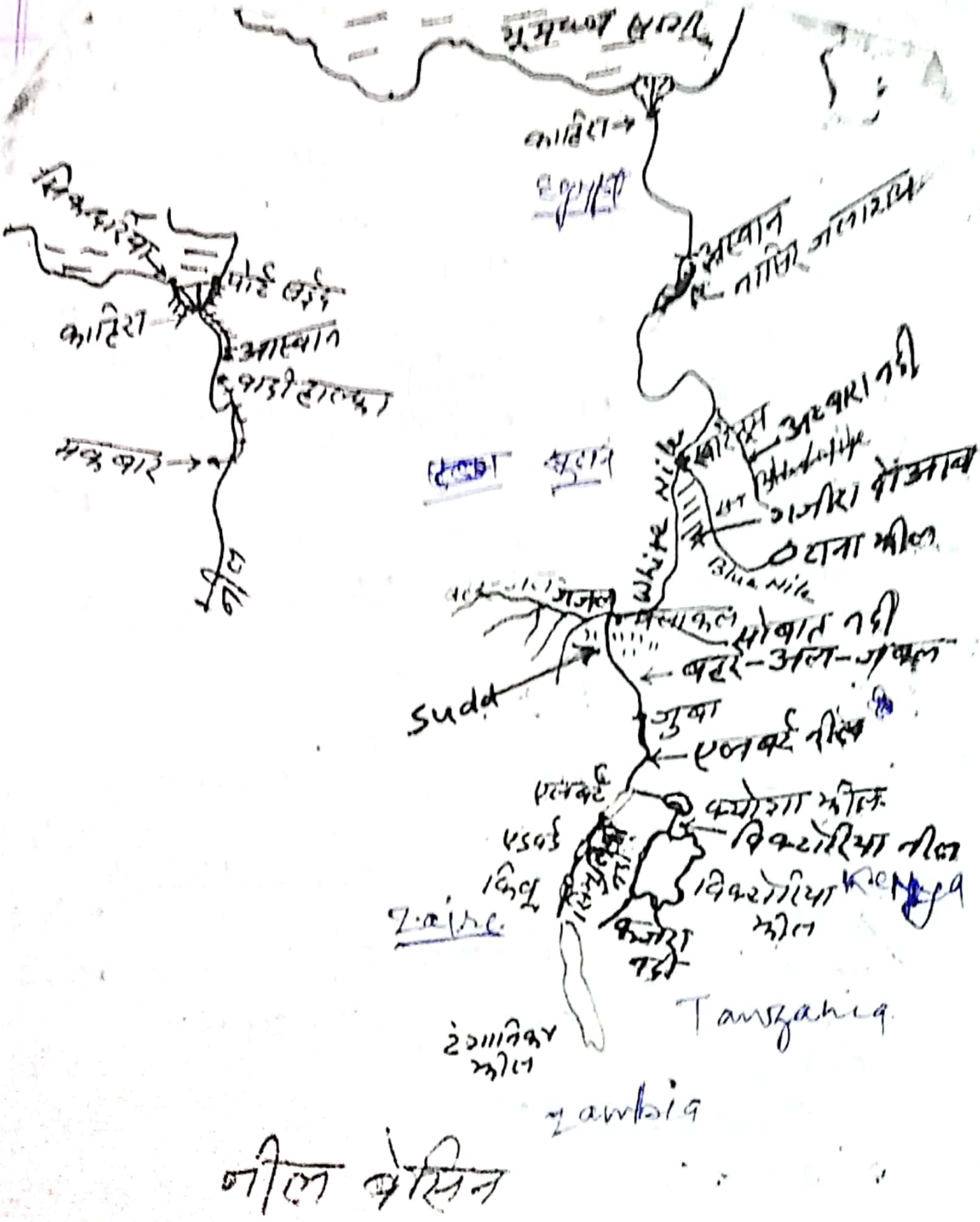

भूमध्य सागर
काहिरा
पोर्ट सईद
अस्वान
वादीहाल्फा
नील
नासिर जलाशय
अटबरा नदी
ताना झील
Blue Nile
White Nile
सोबात नदी
बहर-अल-गजल
Sudd
जुबा
एलबर्ट नील
क्योगा झील
विक्टोरिया नील
विक्टोरिया झील
कगेरा नदी
एडवर्ड
किवू
टंगानिका झील
Zaire
Kenya
Tanzania
Zambia

नील बेसिन